

5जी से एयरटेल के शेयर की चाल

विश्लेषकों को इस शेयर में मौजूदा स्तर से 33 फीसदी की बढ़ोतरी की संभावना दिख रही है

निकिता वशिष्ठ
नई दिल्ली, 10 अगस्त

भारतीय एयरटेल के शेयर की अल्ट्रावोलैटाइज की चाल दूरसंचार सेवा प्रदाता की तरफ से 5जी की पेशकश पर निर्भर करेगी। विश्लेषकों ने बुधवार को ये बातें कही। विश्लेषकों को इस शेयर में मौजूदा स्तर से 33 फीसदी की बढ़ोतरी की संभावना दिख रही है, जिसमें उन्होंने कंपनी की अगले 18 महीने में होने वाली आक्रामक पूंजीगत खर्च की योजना को समझाया है। इसके अतिरिक्त नजदीकी प्रतिस्पर्धी रिलायंस जियो की रणनीति से भी काफी कुछ तय होगा। नतीजे की घोषणा के बाद रिलायंस जियो ने कहा था कि वह 700 मेगाहर्ट्ज कवरेज लेयर पर अपने यहां विकसित नेटवर्क का इस्तेमाल करते हुए अत्याधुनिक, एकल आर्किटेक्चर तकनीक (एएसए) को अपनाएगी। दूसरी ओर, भारती ने कहा है कि वह 5जी के लिए गैर-एकल नेटवर्क (एनएसए) का उपयोग करेगी, जिस पर 4जी कवरेज भी साथ-

एयरटेल पर ब्रोकरेज की राय

ब्रोकरेज	सिफारिश	लक्षित कीमत रुपये	संभावित बदल फीसदी
एचएसबीसी	खरीदें	950	32.87
जेएम फाइनेंशियल सिक्वो.	खरीदें	920	28.67
मोतीलाल ओसवाल सिक्वोरिटीज	खरीदें	910	27.27
यैस सिक्वोरिटीज	खरीदें	910	27.27
बर्नस्टीन	आउटपरफॉर्म	900	25.87
एबिट कैपिटल	खरीदें	900	25.87
क्रेडिट सुइस	आउटपरफॉर्म	900	25.87

स्रोत: ब्लूमबर्ग

साथ मिल सकेगा। इसके लिए वह अपने मौजूदा नेटवर्क गियर वेंडों की मदद ले सकेगी। गैर-एकल नेटवर्क के लिए अलग से 5जी नेटवर्क स्थापित करने की आवश्यकता नहीं है बल्कि उसका संचालन मौजूदा 4जी नेटवर्क के जरिये किया सकता है। दूसरी ओर, एकल नेटवर्क (एएसए) के लिए अलग से 5जी नेटवर्क स्थापित करने की आवश्यकता होगी और उसका 4जी से अलग पूरी तरह स्वतंत्र परिचालन होगा। एडलवाइस सिक्वोरिटीज के प्रणव क्षत्रिय के मुताबिक, यह तकनीक की श्रेष्ठता का मामला नहीं है बल्कि अहमियत वैसे इकोसिस्टम अपनाने की है जो सभी हितधारकों के लिए लागत में कमी लाएगा। भारती एयरटेल मार्च 2024 तक 5,000 शहरों में 5जी कवरेज का लक्ष्य लेकर चल रही है। गैर-एकल नेटवर्क के जरिये एयरटेल उम्मीद कर रही है कि 3,000 मेगाहर्ट्ज (एएलिक) बैंड से उसे विस्तृत स्पेक्ट्रम मिल जाएगा ताकि 5जी के बड़े डेटा



संकलन: बीएस रिसर्च यूरो

ट्रैफिक और मिड बैंड स्पेक्ट्रम मसलन 1,800 या 2,100 मेगाहर्ट्ज (डाउनलिनिक) का कवरेज ही इससे जोड़ा जा सकेगा। इसके अतिरिक्त भारती को 4जी पर नाममात्र पूंजीगत खर्च का फायदा मिलेगा और ई-बैंड से बैकहॉल को मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। उद्योग के अनुमान के मुताबिक, भारत में इस्तेमाल हो रहे मौजूदा 6-8 फीसदी बैंडसेट्स 5जी सक्षम हैं और 5जी पेश होने के बाद इसमें इजाजत होगी। जेएम फाइनेंशियल के दयानंद

मित्तल ने कहा, मौजूदा रणनीति के साथ भारती 5जी में जीत हासिल कर सकती है क्योंकि वह गुणवत्ता वाले ग्राहकों पर ध्यान केंद्रित कर रही है जो किसी और के मुकाबले तेजी से 5जी डिवाइस अपग्रेड करेंगे। साथ ही उसका एंटरप्राइजेज कारोबार मजबूत है और 5जी में अग्रणी बनने के लिए उसके पास डिजिटल क्षमता है। हालांकि निवेशकों को चौकस रहना चाहिए क्योंकि 5जी से होने वाली कमाई अभी दुनिया भर में अस्पष्ट है और यह टेरिफ बढ़ोतरी पर दबाव बना सकता है।

आईसीआईसीआई सिक्वोरिटीज ने कहा, कंपनी की कमाई में भविष्य में होने वाली टेरिफ बढ़ोतरी, स्पेक्ट्रम यूजेज चार्ज पर बचत और 4जी की क्षमता विस्तार पर नाममात्र का खर्च आदि शामिल होगा। हमें लगता है कि एंटरप्राइजेज ग्राहकों से राजस्व धीरे-धीरे आएगा और यह भविष्य में राजस्व में शायद ही बहुत ज्यादा योगदान करेगा। ब्रोकरेज ने भारती का लक्ष्य 812 से घटाकर 775 रुपये कर दिया है और इसकी रेटिंग खरीद से डाउनग्रेड कर दी है।

एचडीएफसी-एचडीएफसी बैंक के विलय से

निफ्टी में आएगा बड़ा बदलाव

समी मोडक
मुंबई, 10 अगस्त

हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कॉर्पोरेशन (एचडीएफसी) और एचडीएफसी बैंक के बीच विलय से प्रमुख सूचकांक निफ्टी में करीब 48,000 करोड़ रुपये की खरीद-बिक्री को बढ़ावा मिल सकता है। मौजूदा समय में विलय क्षेत्र की दोनों कंपनियों का 50 शेयर वाले निफ्टी सूचकांक में मजबूत भारांक है।

आईसीआईसीआई सिक्वोरिटीज के रणनीतिकारों का कहना है कि सूचकांक गणना प्रणाली से संबंधित नियमों की वजह से विलय की प्रभाव तारीख पर एचडीएफसी और एचडीएफसी बैंक, दोनों शेयर ही निफ्टी से अलग हो सकते हैं। नियमों में कहा गया है कि विलय से जुड़ी कोई भी कंपनी सूचकांक से अलग हो जाती है।

वर्ष 2016 में, ग्रासिम को आदित्य बिड़ला न्यूवो (एबीएनएल) के साथ विलय से पहले निफ्टी से बाहर किया गया था। हाल में, एनएमडीसी को 'डी-मर्जर स्क्रीम' यानी विलय समाप्त किए जाने की वजह से निफ्टी सीपीएसई से हटाया गया था।

आईसीआईसीआई सिक्वोरिटीज के इक्विटी रणनीतिकारों विनोद कार्की और नीरज करनानी ने एक रिपोर्ट में कहा है, 'एचडीएफसी विलय से 1 प्रतिशत के संयुक्त भारांक के साथ दो नए शेयरों के आने से निफ्टी 50 भारांक 14 प्रतिशत (एचडीएफसी और एचडीएफसी बैंक) प्रभावित होगा। शेप 13 प्रतिशत भारांक उस समय इस सूचकांक में मौजूदा 48 शेयरों



■ बाजार कारोबारियों को विलय की वजह से इन शेयरों के सूचकांक से बाहर होने को लेकर स्थिति स्पष्ट होने का इंतजार है

■ विश्लेषकों का कहना है कि ऐसा कभी नहीं हुआ है कि सूचकांक से इतने ज्यादा भारांक वाले शेयर को हटाया गया हो

में विभाजित होगा। सूचकांक में एचडीएफसी विलय से संबंधित बदलाव जुलाई के अंत की कीमतों के आधार पर 48,000 करोड़ रुपये मूल्य से अधिक के शेयरों की खरीदारी और बिक्री को बढ़ावा दे सकता है।

कार्की ने कहा कि यदि सूचकांक एचडीएफसी के मामले में विशेष रियायत प्रदान करता है तो यह बदलाव नहीं आएगा। यदि ऐसा नहीं हुआ, तो निफ्टी के अन्य शेयरों में बड़ा बदलाव देखेगा, क्योंकि एचडीएफसी (दोनों) का भारांक इनमें विभाजित हो जाएगा।

एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) और 1.7 लाख करोड़ रुपये से अधिक की एयूम वाले इंडेक्स फंड निफ्टी-50 सूचकांक के प्रदर्शन की निगरानी करते हैं। यदि आप सेंसेक्स को ट्रैक करने वाले

ईटीएफ की एयूम को शामिल करते हैं तो यह बदलाव और ज्यादा हो सकता है। अनुमानित तौर पर 88,000 करोड़ रुपये की एयूम के साथ ईटीएफ 30 शेयर वाले सेंसेक्स को ट्रैक करते हैं।

ऐसा कभी नहीं हुआ है कि सूचकांक से इतने ज्यादा भारांक वाले शेयर को हटाया गया हो। अन्य विश्लेषकों का कहना है कि यह गलत अनुमान है कि एचडीएफसी और एचडीएफसी बैंक, दोनों को सूचकांक से हटाया जाएगा। उनका कहना है कि विलय से गठित इकाई बड़े भारांक के साथ सूचकांक में बनी रहेगी।

कुछ विश्लेषकों का कहना है कि उन्हें विलय की वजह से शेयर के सूचकांक से बाहर निकाले जाने के नियम को लेकर एक्सचेंज से स्थिति स्पष्ट होने का इंतजार है।

एमएससीआई और एफटीएसई में एयू बैंक का बढ़ेगा भारांक

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक का भारांक एमएससीआई और एफटीएसई वैश्विक सूचकांकों में बढ़ेगा। पात्र संस्थान नियोजन (क्यूआईपी) के जरिए नए शेयर जारी होने के बाद सार्वजनिक शेयरों में इजाफे के कारण ऐसा संभव होगा। जयपुर की फर्म ने हाल में 2,000

करोड़ रुपये का क्यूआईपी पूरा किया है, जहां उसने 590.84 रुपये के भाव पर निवेशकों को 3.45 करोड़ नए शेयर जारी किए। क्यूआईपी के बाद एयू का इक्विटी आधार करीब 5.5 फीसदी बढ़ा है। आईआईएफएल ऑल्टरनेटिव रिसर्च के उपाध्यक्ष श्रीराम

वेल्लुयुधन ने एक नोट में कहा है, शेयरों की संख्या में बदलाव 5 फीसदी से ज्यादा हुआ है, ऐसे में हम उम्मीद करते हैं कि सूचकांक प्रदाता अगले कुछ दिनों में इन शेयरों को शामिल कर लेंगे। हमें एमएससीआई इंडिया स्टैंडर्ड और एफटीएसई ऑल वर्ल्ड व ऑल कैप इंडेक्सों के

जरिए 1.2 करोड़ डॉलर का निवेश आने की उम्मीद है। एयू का शेयर 644.2 रुपये पर बंद हुआ। बीएस

एवलॉन टेक्नोलॉजिज लागू आईपीओ : इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण सेवा कंपनी एवलॉन टेक्नोलॉजिज ने आईपीओ के जरिये 1,025

करोड़ रुपये जुटाने के लिए बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) के पास शुरूआती दस्तावेज जमा कराए हैं। दस्तावेजों के मसौदे के अनुसार, आईपीओ के तहत 400 करोड़ रुपये के नए इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे। वहीं प्रवर्तक एवं मौजूदा शेयरधारक 625 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाएंगे।

नियामकीय सेवाओं पर जीएसटी से चिंतित हैं विदेशी निवेशक

श्रीमी चौधरी और समी मोडक
नई दिल्ली/मुंबई, 10 अगस्त

भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) द्वारा दी जाने वाली सेवाओं पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लगाने की केंद्र सरकार की ताजा पहल से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) परेशान उजर आ रहे हैं। उन्हें आशंका है कि इस निर्णय से उन सेवाओं के निर्यात पर जीएसटी लग सकता है, जिनकी आपूर्ति अभी शुल्क-मुक्त है। इस घटनाक्रम की जानकारी से अवगत दो अधिकारियों ने बताया, 'एफपीआई के कस्टोडियन इस मुद्दे को बाजार नियामक और वित्त मंत्रालय के समक्ष उठाएंगे, और इस कर को लगाए जाने के बारे में स्थिति स्पष्ट करने का अनुरोध करेंगे।'

एक अधिकारी ने कहा, '18 प्रतिशत की जीएसटी काफी अधिक है। लेकिन अधिक महत्वपूर्ण यह है कि यह नियम का मामला है। जीएसटी स्थानीय कर है, जबकि एफपीआई को पेश की जाने वाली सेवाएं देश से बाहर रह रहे लोगों के लिए होती हैं। इसलिए, दूसरे शब्दों में यह कहा जा सकता है कि जीएसटी सेवा के निर्यात के लिए लागू किया जा रहा है। इससे भविष्य में एफपीआई के लिए अधिक जटिलताओं को बढ़ावा मिल सकता है।'

जीएसटी नियमों के तहत, वस्तु या सेवाओं के निर्यात को जीरो-रेटिंग प्रदान करने के लिए और समझा जाता है। इसका मतलब है कि वस्तु या सेवाओं के निर्यात को जीएसटी से राहत दी जानी चाहिए, चाहे यह उत्पादन के चरण से संबंधित हो या निर्णायक उत्पाद से। हाल में बाजार नियामक ने यह स्पष्ट किया कि सभी बाजार इन्फ्रास्ट्रक्चर संस्थानों (स्टॉक एक्सचेंज और प्रतिभूति बाजार से संबंधित लोग समेत) को उनके द्वारा वसूले जाने वाले शुल्कों पर 18 प्रतिशत जीएसटी चुकाना होगा। यह स्पष्टीकरण सरकार द्वारा सेबी को और से सेवाओं के लिए छूट वापस लिए जाने के फैसले के बाद आया है। इसके परिणामस्वरूप, कस्टोडियन को



पेशानी पर बल

■ स्पष्टीकरण के लिए बाजार नियामक सेबी और वित्त मंत्रालय से संपर्क करेंगे एफपीआई

■ विश्लेषकों का कहना है कि इस निर्णय से भविष्य में एफपीआई के लिए जटिलताएं बढ़ सकती हैं

एफपीआई पूंजीकरण पर जीएसटी और अन्य शुल्क चुकाने होंगे। विश्लेषकों के अनुसार, घरेलू बाजार बिक्रियों के विपरीत, एफपीआई के लिए आउटपुट कर देनदारी नहीं होती और वे इस कर के लिए क्लेम क्रेडिट में सक्षम नहीं होंगे, जिससे उन पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। पीडब्ल्यूसी में पार्टनर भविन शाह ने कहा, 'इस बदलाव की वजह से, सेबी द्वारा वसूले जाने वाले नियामकीय शुल्क (जैसे रजिस्ट्रेशन शुल्क, फाइलिंग और अन्य शुल्क समेत) अब जीएसटी के दाघरे में आएंगे। एफपीआई पर किसी तरह की आउटपुट कर देनदारी नहीं है और वे कर लाभ का दावा करने में सक्षम नहीं होंगे। हालांकि नियामक का कारोबार शुरू से ही जीएसटी के अधीन रहा है और इस बदलाव से वह प्रभावित नहीं होगा।'

जुलाई में प्राइवेट इक्विटी व वेंचर कैपिटल निवेश घटा

आईवीसीए-ईवाई के मासिक पीई-वीसी आंकड़े के अनुसार, जुलाई में निजी इक्विटी (पीई) और उद्यम पूंजी (वीसी) निवेश 74 सौदों के जरिये 3 अरब डॉलर पर रहा, जो पिछले साल के समान महीने के मुकाबले 69 प्रतिशत कम है। जुलाई 2022 में 9 सौदों के जरिये सौदों से निकासी 32.2 करोड़ डॉलर पर दर्ज की गई, जो जनवरी, 2021 के बाद से निवेश से निकलने के संबंध में सबसे कम संख्या थी। जुलाई, 2022 में पीई/वीसी निवेश बिक्री और मात्रा, दोनों के संदर्भ में साल के दौरान सबसे कम रहा। 3 अरब डॉलर के

साथ पीई/वीसी निवेश जून, 2022 के मुकाबले 40 प्रतिशत कम रहा। जुलाई 2021 (134 सौदे) के मुकाबले जुलाई 2022 में 74 निवेश सौदे दर्ज किए गए और जून 2022 (118 सौदे) के मुकाबले सौदों में 37 प्रतिशत की कमी आई। ईवाई में पार्टनर एवं नेशनल लीडर (प्राइवेट इक्विटी) विवेक सोनी ने कहा, 'सख्त तरलता और बढ़ती मुद्रास्फीति के बीच करीब 6 महीनों तक स्थिर रहने के बाद पहली बार भारतीय पीई/वीसी निवेश में कुछ कमजोरी दर्ज की गई है। निवेशकों की सतर्कता की वजह से सौदों की प्रक्रिया पूरा होने में समय लग रहा है।' बीएस

अगले साल नुकसान से बाहर आएगी जोमैटो

ऑनलाइन माध्यम से खाने-पीने के सामान का ऑर्डर और डिलिवरी की सुविधा देने वाला मंच जोमैटो ने अगले वित्त वर्ष (2023-24) की दूसरी तिमाही तक अपने कुल कारोबार को नुकसान से बाहर लाने यानी लागत के बराबर आय प्राप्त करने का लक्ष्य रखा है। कंपनी ने पहले अगले दो साल के लिए 40 करोड़ डॉलर के निवेश का लक्ष्य रखा था। कंपनी ने इसे अब घटाकर 32 करोड़ डॉलर कर दिया है। जोमैटो के मुख्य वित्त अधिकारी ए. गोयल ने कहा कि कंपनी का नकदी प्रवाह पहले से ही सकारात्मक था। भाषा



एनएचपीसी लिमिटेड

(भारत सरकार का उद्यम)

30 जून, 2022 को समाप्त तिमाही के लिए अर्णकेशित वित्तीय परिणामों की विवरणी का सार

(करोड़ रुपए में)

क्र. सं.	विवरण	एकल		समेकित			
		समाप्त तिमाही 30.06.2022	समाप्त वर्ष 30.06.2021	समाप्त तिमाही 30.06.2022	समाप्त तिमाही 30.06.2021	समाप्त वर्ष 31.03.2022	
		अर्णकेशित	अर्णकेशित	अर्णकेशित	अर्णकेशित	अर्णकेशित	
1)	प्रचालनों से कुल आय	2,594.36	2,170.21	8,353.80	2,785.14	2,417.12	9,188.78
2)	कर पूर्व निवल लाभ (असाधारण मदों तथा नियामक विलम्बित लेखा शेष में संवलन से पहले)	1,199.35	1,069.04	4,046.86	1,243.29	1,187.62	4,427.44
3)	कर पूर्व निवल लाभ (असाधारण मदों से पहले और नियामक विलम्बित लेखा शेष में संवलन के बाद)	1,227.21	1,115.07	2,776.44	1,291.31	1,238.17	3,217.35
4)	कर पूर्व निवल लाभ (असाधारण मदों के बाद और नियामक विलम्बित लेखा शेष में संवलन के बाद)	1,199.35	1,069.04	4,046.86	1,243.29	1,187.62	4,427.44
5)	कर पूर्व निवल लाभ (असाधारण मदों के बाद और नियामक विलम्बित लेखा शेष में संवलन के बाद)	1,227.21	1,115.07	2,776.44	1,291.31	1,238.17	3,217.35
6)	निम्न को आरोप्य अवधि हेतु कर पश्चात निवल लाभ (असाधारण मदों के पश्चात)						
	— मूल कंपनी के स्वामी	1,049.58	912.26	3,537.71	1,039.31	907.77	3,523.57
	— अनियंत्रित ब्याज	-	-	-	14.45	75.09	250.76
7)	निम्न को आरोप्य अवधि हेतु कुल व्यापक आय [लाभ एवं अन्य व्यापक आय सहित (कर पश्चात)]:						
	— मूल कंपनी के स्वामी	1,038.81	939.70	3,550.47	1,028.29	935.26	3,535.36
	— अनियंत्रित ब्याज	-	-	-	14.22	75.13	249.83
8)	प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी (अंकित मूल्य 10/-रु प्रत्येक)	10,045.03	10,045.03	10,045.03	10,045.03	10,045.03	10,045.03
9)	आरक्षित निधि (पुनर्मूल्यांकन आरक्षित निधि को छोड़कर)	24,479.88	22,541.98	23,441.07	25,904.24	23,980.13	24,875.95
10)	शुद्ध मूल्य	34,524.91	32,587.01	33,486.10	35,949.27	34,025.16	34,920.98
11)	प्रदत्त ऋण पूंजी	28,207.69	25,613.56	28,047.72	28,340.31	25,616.20	28,113.15
12)	ऋण इक्विटी अनुपात	0.82	0.79	0.84	0.79	0.75	0.81
13)	प्रति शेयर अर्जन (मूल एवं डाइव्यूटिड) वार्षिक तौर पर नहीं (इक्विटी शेयर, अंकित मूल्य ₹10/- प्रत्येक)						
	— विनियामक स्थगन लेखा शेष में गतिशीलता से पूर्व (₹ में)	1.02	0.86	4.79	0.99	0.85	4.71
	— विनियामक स्थगन लेखा शेष में गतिशीलता के पश्चात (₹ में)	1.04	0.91	3.52	1.03	0.90	3.51
14)	पूंजी विमोचन आरक्षित	2,255.71	2,255.71	2,255.71	2,255.71	2,255.71	2,255.71
15)	डिबेंचर (बॉन्ड) विमोचन आरक्षित	1,366.25	1,641.95	1,366.25	1,366.25	1,641.95	1,366.25
16)	ऋण सेवा कवरेज अनुपात (डीएएससीआर)	5.28	5.08	3.62	5.35	5.42	3.84
17)	ब्याज सेवा कवरेज अनुपात (आईएससीआर)	8.03	7.30	7.18	8.14	7.79	7.61
18)	प्रतिभूति प्रीमियम खाता	-	-	-	-	-	-

टिप: 1. उपरोक्त विवरण सेबी (सूचीकरण बाध्यताएं एवं प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के विनियम 33 एवं 52 के अंतर्गत स्टॉक एक्सचेंज में दायित्व वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का सार है। इन वित्तीय परिणामों का विस्तृत प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट: www.nseindia.com और www.bseindia.com पर एवं कंपनी की वेबसाइट: www.nhpcindia.com पर उपलब्ध है।

2. आवश्यकतानुसार पिछली अवधि के आंकड़े पुनर्समूहित / पुन: व्यवस्थित किए गए हैं।

एनएचपीसी लिमिटेड के निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से हस्ता/-(राजेन्द्र प्रसाद गोयल) निदेशक (वित्त) डीआईएन-08645380

स्थान : फरीदाबाद
दिनांक : 10 अगस्त 2022



पंजीकृत कार्यालय : सेक्टर-33, फरीदाबाद-121003 (हरियाणा) भारत, सीआईएन: L40101HR1975GOI032564

<https://www.nhpcindia.com> join us:

महत्वपूर्ण सूचना: सदस्यों से अनुरोध है कि वे कंपनी/डिपॉजिटरी प्रतिभागियों/कंपनी के रजिस्ट्रार एंड ट्रांसफर एजेंट (अलंकित असाइनमेंट्स लिमिटेड) के साथ अपना ई-मेल आईडी पंजीकृत/अपडेट करें जिसका उपयोग भविष्य में ई-मेल के माध्यम से आधिकारिक दस्तावेज भेजने के लिए किया जाएगा।